आधाफुल के कारनामों की और भी हैं कहानियां।

सारी पढ़ डालो, एक भी कहानी छूट न जाए।

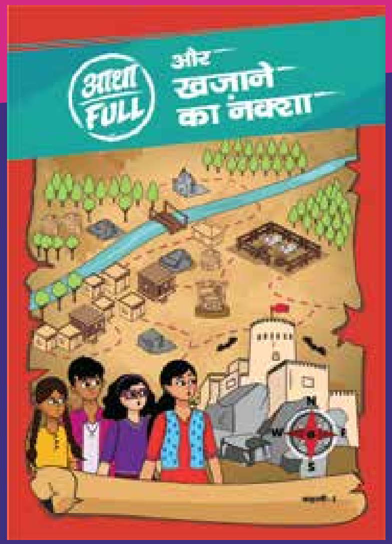

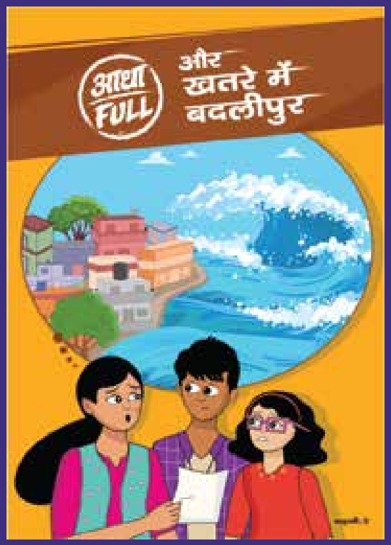

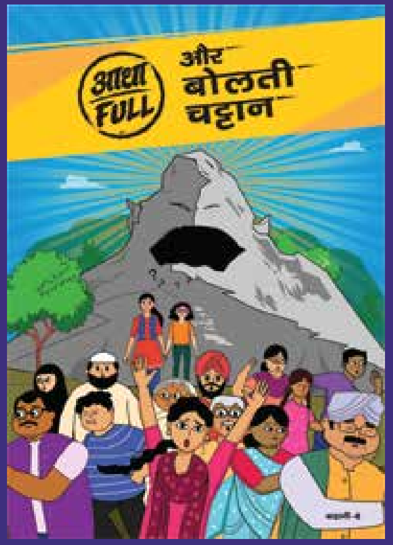

Developed and created by BBC Media Action
with support from UNICEF, DOVE and the Centre for Appearance Research

आधा FULL और फिल्मस्टार का अपहरण

कहानी – 3

- नाम : किट्टी
- उम्र : 16 साल
- कक्षा : ग्यारहवीं
- गुण : जोश भी है और होश भी
- *किट्टी के लिए कुछ भी इंपोसिबल नहीं

बदलीपुर की 'टीम' आधाफ़ुल

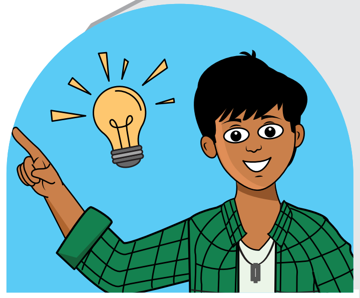

- नाम : अदरक
- उम्र : 15 साल
- कक्षा : सातवीं के बाद स्कूल छोड़ दिया
- गुण : एक नंबर का जुगाड़ू
- *अदरक के पास तरकीब की भरमार है।

- नाम : तारा
- उम्र : 12 साल
- कक्षा : सातवीं
- गुण : जानकारी की चलती फिरती किताब
- *तारा कभी झूठ नहीं बोलती

तीनों बदलीपुर में रहते हैं। तीनों को जासूसी करने का बड़ा शौक है।
बदलीपुर में कुछ भी होता है तो तीनों पहुँच जाते हैं केस को सुलझाने।
इन तीनो ने मिलकर एक टीम बनाई है जिसका नाम है, आधाफ़ुल।

एक दिन किट्टी रानू के घर आई तो रानू मेकअप कर रही थी।
रानू, तुम इतनी उदास क्यों हो?
किट्टी, मैंने समीरा की फेवरेट लिपस्टिक भी लगा ली, फिर भी उसके जितनी सुंदर नहीं दिख रही!
देखा नही टीवी पर, जितने भी कामयाब लोग हैं सब उसके जैसे सुंदर दिखते हैं।
रानू को अलग तरीके से समझाना होगा।

धीरे-धीरे रानू समीरा जैसी न दिख पाने के कारण उदास रहने लगी।
मेरी ज़िंदगी कभी भी समीरा और बाकी स्टार्स जैसी चकाचक नहीं होगी। न फ़ैन होंगे, न कैमरे और न ही फोटो खींचने वाले।
किट्टी, तुम इसको समझाओ। एकदम उदास रहने लगी है, किसी से बात नहीं करती। कहती है, समीरा जैसी नहीं दिखती इसलिये इसकी कोई ज़िंदगी ही नहीं है।
एक दिन अख़बार में एक खबर छपी।
समीरा कपूर फिल्म की शूटिंग करने बदलीपुर में आ रही है। कितनी सुंदर दिखती है समीरा कपूर! किट्टी तू भी इसके जैसे दिखने की कोशिश किया कर।
NEWS
हे भगवान! एक रानू कम थी, जो मम्मी आप भी शुरू हो गयी। हीरोइनों जैसा दिखने में कितना टाइम लगता है, पता है? जो जैसा है, अच्छा है। बस ख़ुद को अच्छा महसूस होना चाहिए, आत्मविश्वास वहीं से आता है।

बदलीपुर के छंटे हुए बदमाश चंदू-चंपा को समीरा कपूर के बदलीपुर में आने की बात पता चलती है।
चंपा, समीरा का अपहरण कर लेते हैं।
हाँ चंदू, अच्छा मौका है। बदले में एक करोड़ मांग लेंगे।
अरे ये तो चंदू-चंपा हैं। देखता हूँ क्या प्लान बना रहे हैं।
चंदू, कल ही होटल से समीरा का अपहरण करेंगे।
अपनी आधाफुल टीम को बताना पड़ेगा।

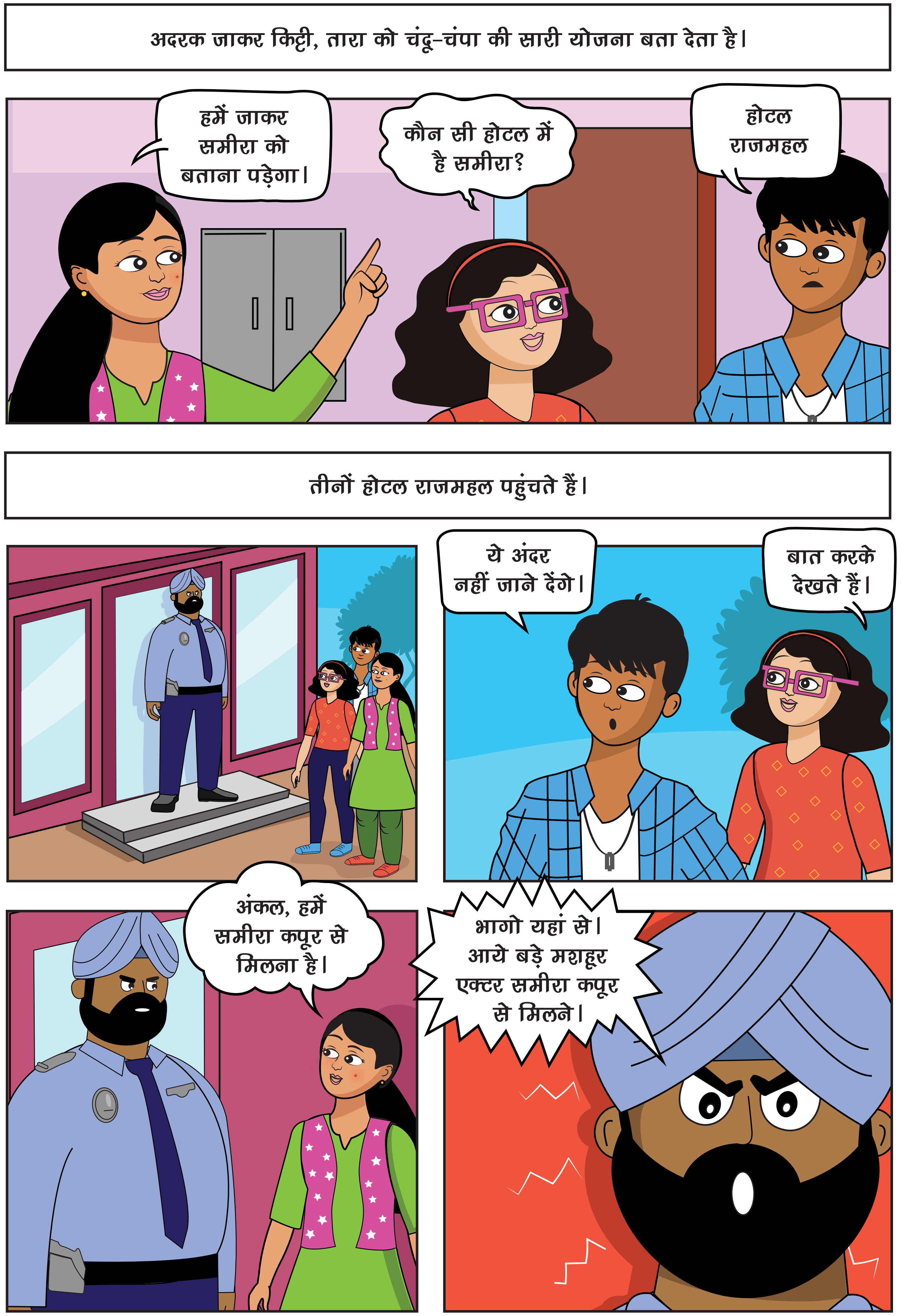
अदरक जाकर किट्टी, तारा को चंदू-चंपा की सारी योजना बता देता है।
हमें जाकर समीरा को बताना पड़ेगा।
कौन सी होटल में है समीरा?
होटल राजमहल
तीनों होटल राजमहल पहुंचते हैं।
ये अंदर नहीं जाने देंगे।
बात करके देखते हैं।
अंकल, हमें समीरा कपूर से मिलना है।
भागो यहां से। आये बड़े मशहूर एक्टर समीरा कपूर से मिलने।

मिलना बहुत जरूरी है, अंकल जी।
एक बार मना किया ना। चलो, निकलो यहां से।
अब क्या करें?
इतना पहरा है तो चंदू-चंपा अपहरण नहीं कर पाएंगे। हम चलते हैं।
उसी समय चंदू-चंपा पाइप के सहारे ऊपर चढ़ रहे थे।
चंपा, मौका अच्छा है।

ये दोनों तो चंदू-चंपा हैं न।
चंपा, जल्दी चल कोई देख लेगा।
हां, उनके पास वो क्या है?

लगता है उन्होंने समीरा कपूर का अपहरण कर लिया।
चलो पीछा करते हैं।
अड्डे पर पहुंचकर चंदू-चंपा बोरे से निकालकर जब समीरा को देखते हैं तो चौंक जाते हैं।
ये तो वो समीरा कपूर नहीं है जिसको हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं।
हम किसी और को उठा लाये क्या?
अब क्या करें?

मेरे पास तरकीब है।
पुलिस ने तुमको चारों ओर से घेर लिया है।
! !
पुलिस आ गयी चंपा।
चल भाग निकलते हैं।
आधाफुल की टीम अड्डे पर पहुंचती है।
अदरक, तेरी तरकीब काम कर गयी। वाह, क्या पुलिस की आवाज़ निकाली!
चलो अंदर चलते हैं।

तीनों ने मिलकर समीरा को आज़ाद कराया।
हाथ खोलते हुए किट्टी ने समीरा को देखा तो बोल पड़ी।
आप तो समीरा नहीं हैं।
हाँ, वैसी नहीं लग रहीं न जैसी फिल्म में दिखती हैं।
मैं समीरा ही हूँ।
पर, वैसी क्यों नहीं लग रही जैसी फिल्म और विज्ञापनों में दिखती हो।
मेरी टीम और मेकअप के बिना मैं ऐसी ही साधारण दिखती हूं।

जो भी हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं, उस पर कभी अंधविश्वास नहीं करना चाहिए।
किट्टी ने समीरा को रानू के बारे में सब कुछ बता दिया।
आपको हमारी एक मदद करनी होगी। हमारी एक दोस्त है रानू...
मैं मदद के लिए तैयार हूं।
चारों रानू के घर आते हैं।
रानू, देख तुमसे मिलने कौन आया?
कौन है?
मैं समीरा कपूर!

झूठ। वो तो बहुत सुंदर दिखती है। आप तो मेरे ही जैसी हो।
मैं समीरा ही हूं और बिना मेकआप के मैं ऐसी ही दिखती हूं। जब हम विज्ञापनों के लिए तस्वीरें खिंचवाते हैं तो हमें तैयार करने के लिए पूरी टीम काम करती है। सबसे पहले हमारा मेकअप होता है, बाल बनाये जाते हैं और हमें अच्छे कपड़े पहनाये जाते हैं। उसके बाद हमारी फोटो खींची जाती है। उस फोटो में और बदलाव लाया जाता है ताकि हम और सुंदर दिखें। जैसे, हमें और गोरा बनाया जाता है। लंबा किया जाता है और चेहरे के दाग धब्बे मिटाये जाते हैं।
सच्ची कह रही हैं आप?
जिस तरह मैं विज्ञापनों में दिखती हूं, वो इसलिए है ताकि मुझे देखकर और लोग अपने लुक्स के बारे में बुरा महसूस करें। इससे यह होता है कि लोग वो सारी चीज़ें खरीद लेते हैं जो मैं विज्ञापनों में बेचने की कोशिश करती हूं। लेकिन जब यह सामान काम नहीं करता, तब वो और बुरा महसूस करते हैं। क्योंकि जो हम विज्ञापनों में देखते हैं वो असलियत नहीं होती। जो खूबसूरती हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं वो बनावटी होती है।

अरे तुमको नहीं पता, वो फिल्म वाला लुक पाने के लिए क्या क्या करना पड़ता है। घण्टों आईने के सामने बैठकर मेकअप कराना पड़ता है, वो भी बहुत महंगा वाला। मेकअप हुआ तो फिर हेयर स्टाइलिस्ट आ जाता है, वो बाल बनाता है। एकदम पक जाती हूँ बैठे-बैठे। तब जाकर ये लुक मिलता है, जिसको तुम लाइक करते हो। इसलिए मुझसे अपनी तुलना तो तुमको करनी ही नहीं चाहिए।
? ?
और ये है कि आप जैसा दिखने के लिए परेशान हो रही है।
हां, घर से बाहर भी नहीं निकलती, सोचकर कि आप जैसी नहीं दिख रही।
जो खूबसूरती हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं वो बनावटी होती है। इसलिए मेरे जैसा दिखने की कोशिश मत करो और ना ही मुझ से अपनी तुलना करो।
मैं समझ गयी। क्या मैं आपको गले लगा सकती हूँ?

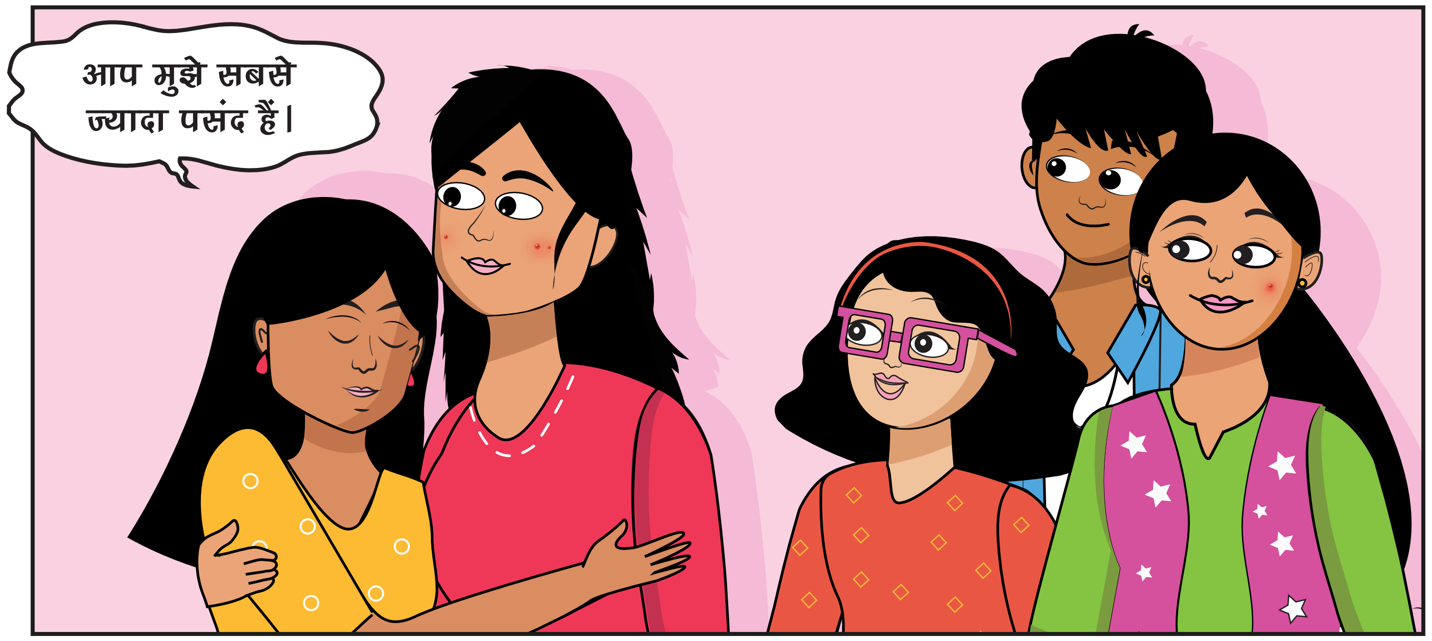

अगले दिन सब रेलवे स्टेशन आते हैं, समीरा को टाटा करने।

समाप्त

कहानी की सीख

इस कहानी से आपने क्या सीखा?

जिस तरह से लोग टीवी, फिल्मों और विज्ञापनों में दिखते हैं, वो असलियत नहीं है। जब उनकी तस्वीरें लेने के लिए उन्हें तैयार किया जाता है तो उस पर एक बड़ी टीम काम करती है। सबसे पहले उनका मेकअप होता है, बाल बनाये जाते हैं और उन्हें अच्छे कपड़े पहनाये जाते हैं। उसके बाद उनकी फोटो खींची जाती है। उस फोटो में और बदलाव लाया जाता है। जैसे, लंबा किया जाता है और चेहरे के दाग-धब्बे हटाये जाते हैं, ताकि वो और सुंदर दिखें।

जो हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं, वो इसलिए दर्शाये जाते हैं ताकि हमें अपने और अपने लुक्स के बारे में बुरा लगे और हम सारी चीज़ें खरीदें जिससे हमें लगता है कि आदर्श रूप को प्राप्त किया जा सकता है।

इसलिए हम जो भी टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं उससे हमें अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। क्योंकि जो भी हम देखते हैं वो सच नहीं होता है और ना ही उसे पाया जा सकता है। वो सिर्फ सामग्री बेचने की योजना है जो अंत में हमें सिर्फ दुःख पहुंचाती है।

अवश्य खेलें

थोड़ा समय निकालिए और सोचिए कि इस कहानी से आपने क्या सीखा।

अब कॉलम A में दिए गये वाक्यों को पढ़ें और एक वाक्य को उन कारणों से जोड़ें जो कॉलम B में हैं और आपके हिसाब से सबसे ज्यादा उपयुक्त हैं।

A	B
1 तस्वीर खींचने के बाद उनमें बदलाव लाया जाता है।	1 यह श्रृंगार सामग्री बेचने के लिए किया जाता है।
2 विज्ञापनों में जो सुंदरता दिखायी जाती है वो सच्चाई नहीं होती।	2 यह लुक्स को बदलने के लिए किया जाता है जैसे कि रूप को और गोरा बनाने के लिए।
3 जिस प्रकार की सुंदरता हम तस्वीरों में देखते हैं, वो पाना असंभव है।	3 उन्हें तैयार करने के लिए पूरी टीम काम करती है।
4 विज्ञापन में जिन अभिनेताओं को हम देखते हैं उनसे हमें अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए।	4 क्योंकि वो सच्चाई नहीं है और ऐसी सुंदरता पाना असंभव है।

इच्छा हो तो यह भी खेलें

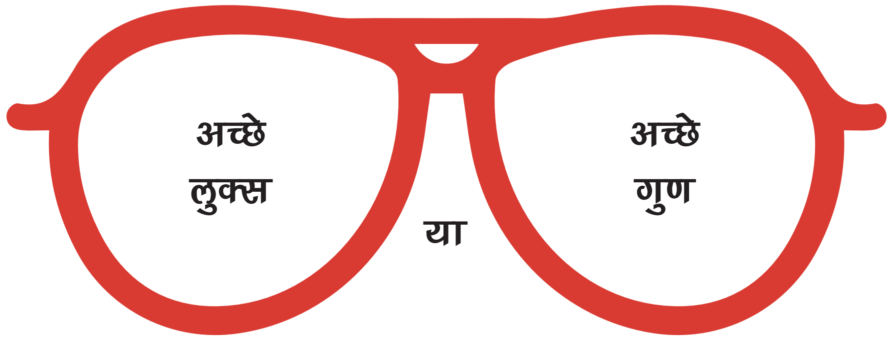

थोड़ा सा समय निकालें और अपने सबसे प्रिय मित्र के बारे में सोचें। अब उसके ऐसे कोई पांच गुणों के बारे में सोचें जिसके कारण आप उसे सबसे ज्यादा चाहते हैं।